दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 08.10.2021

प्रकाशनार्थ
भारतीय वायुसेना का गौरवशाली इतिहास

दिनांक 08.10.2021 गोरखपुर। दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के **रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा वायुसेना दिवस** के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रदीप कुमार यादव रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते कहा कि भारतीय वायु सेना का गौरवशाली इतिहास रहा है और उसकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है आज वायुसेना विश्व में चौथे स्थान पर है उन्होंने आगे कहा कि वायुसेना की स्थापना के 89 वर्ष हो चुके हैं ब्रिटिश शासन काल के दौरान 08 अक्टूबर, 1932 को भारतीय वायुसेना की स्थापना हुई थी। उस समय ब्रिटिश शासन काल था लेकिन ब्रिटिशों ने भारतीय वायुसेना में भारतीय अधिकारियों को जगह दी उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वायुसेना ने 1948 भारत–पाकिस्तान युद्ध, 1965 भारत–पाकिस्तान युद्ध, 1971 बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष, 1999 कारगिल संघर्ष, बालाकोट एयर स्ट्राइक में भारतीय वायुसेना ने अपने अदम्य साहस का परिचय दिया जिसके पास मिग–21, मिग– 29, मिराज, तेजस, राफेल, सुखोइ टी–50 जो कि विश्व की पांचवी पीढ़ी का लड़ाकू विमान है जिसका संचलान रूस और भारत के अलावा और कोई देश नहीं कर रहा है। इसकी बराबरी अमेरिका निर्मित एफ–35 से भी नहीं की जा सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ वीणा गोपाल मिश्रा ने कहा कि भारतीय वायुसेना की पराकाष्ठा शौर्य तथा उसके ताकत के बारे में हम सभी परिचित हैं भारतीय वायुसेना 1932 के अपने स्थापना के समय से ही आज तक जहां भी उसे जो जिम्मेदारी दी गई उसने पूरा किया है।

इसका संचालन डॉ. राम प्रसाद यादव प्रभारी रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग तथा आभार ज्ञापन विभाग के शिक्षक विकास कुमार पाठक द्वारा किया गया इस अवसर पर महाविद्यालय के अन्य शिक्षक गण एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ (राम प्रसाद यादव)
प्रभारी, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग